आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–30 अगस्त 2024 सान्ध्य समाचार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज लखनऊ के लोकभवन में आयोजित एक कार्यक्रम में बत्तीस औद्योगिक इकाइयों को एक हजार तीन सौ तैंतीस करोड़ रूपये की प्रोत्साहन राशि का वितरण किया। साथ ही, चार हजार पांच सौ करोड़ रूपये से ज्यादा के निवेश के लिये दस औद्योगिक इकाइयों को लेटर ऑफ कम्फर्ट वितरित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार झांसी और कानपुर के बीच छत्तीस हजार एकड़ भूमि में नये औद्योगिक शहर बीडा को बसाने की कार्यवाही शुरू कर चुकी है।

ये लगभग हम लोग छत्तीस हजार एकड़ लैण्ड में झज्झंसी और कानपुर के बीच में इस नये औद्योगिक शहर को बसाने की कार्यवाही को आगे बढ़ चुके हैं और तेजी के साथ हमारा कार्यक्रम बनता जा रहा है। याद करना नोएडा को बसने में छियालीस साल लगे और छियालीस साल के बाद वहां एक एयरपोर्ट, इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रूप में जेवर अब आ रहा है लेकिन यहां पर हम जैसे ही हमारा यहां औद्योगिक शहर बसेगा इसके बसने के साथ ही यहां एयरपोर्ट की सुविधा भी उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि लखनऊ और उसके आसपास के छः जनपदों को जोड़कर स्टेट कैपिटल रीजन बनाया जा रहा है। श्री योगी ने कहा कि विगत साढ़े सात वर्षों में प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर किया गया है। आज प्रदेश में एक्सप्रेस–वे, हाइवे और हवाई सेवाओं की शानदार कनेक्टिविटी है। उन्होंने कहा कि उद्यमियों की समस्याओं के समाधान के लिये हमारी सरकार ने प्रदेश भर में एक सौ पच्चीस सीएम फेलो तैनात किये हैं जो औद्योगिक विकास विभाग के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं।

अपराध, अपराधी और भ्रष्टाचार के खिलाफ हमारी सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने निवेशकों से जो वादा किया है उसे धरातल पर उतारने में सरकार को कोई संकोच नहीं है। निवेशकों को सहूलियत देने के लिये शासन की नीति के तहत डबल इंजन की सरकार सारे बैरियर तोड़ेगी।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज लखनऊ में फ्लिपकार्ट के उन्नाव और वाराणसी में वेयरहाउस का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने ओडीओपी विक्रेताओं के अनुभव भी साझा किये। श्री योगी ने कहा कि हमने डिजाइन, तकनीक, मार्केट सहित विभिन्न पहलुओं पर कार्य करके पैकेजिंग और एक्सपोर्ट पर फोकस किया है, लेकिन इसको और गति देने का कार्य तब हुआ जब फ्लिपकार्ट ग्रुप हमारे साथ जुड़ा और ई–कॉमर्स प्लैटफॉर्म के रूप में उसने सेवाएं देनी प्रारंभ की। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वभाविक रूप से ई–कॉमर्स के माध्यम से एक नए युग का सूत्रपात हुआ है। यह स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दे रहा है और हर नागरिक को, फिर चाहें वह शहर में हो या फिर गांव में, उसे इस प्लैटफॉर्म के माध्यम से दुनिया के किसी भी मार्केट तक अपने प्रोडक्ट को पहुंचाने का सामर्थ्य प्राप्त हुआ है, जो पहले कठिन था और असंभव सा लगता था। इस अवसर पर उन्होंने कम्पनियों का आह्वान करते हुए कहा कि वे उत्तर प्रदेश में वेयरहाउसिंग नीति का लाभ लेकर नई सम्भावनाओं पर कार्य करें। उन्होंने कहा कि हम सब जानते हैं कि प्रदेश में एमएसएमई का एक बेस आज से नहीं बल्कि विगत सैंकड़ों वर्षों से है। लेकिन, समय के अनुरूप तकनीक, डिजाइन, पैकेजिंग समेत विभिन्न पहलुओं पर बदलते वक्त की मांग के अनुसार कार्रवाई न करने और ठोस कार्ययोजना न बनाए जाने के कारण पिछले तीन चार दशकों से यह दम तोड़ रहा था।

****

गोरखपुर दौरे के दूसरे दिन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने आज दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के तिरालीसवें दीक्षांत समारोह में शामिल होकर मेघावियों को मेडल देने के साथ ही विद्यार्थियों को उपाधि भी वितरित कीं। समारोह के दौरान राज्यपाल ने उन्चास छात्राओं और बारह छात्रों सहित इकसठ मेधावियों को स्वर्ण पदक प्रदान किये। इसी क्रम में सतासी हजार तीन सौ उन्सठ विद्यार्थियों को स्नातक एवं स्नातकोत्तर और एक सौ छाछठ विद्यार्थियों को पीएचडी की उपाधि दी गयी। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि ऐसी शिक्षा प्रणाली विकसित करनी चाहिए, जिससे अस्सी साल से इंतजार कर रहे भारत को भी नोबल पुरस्कार मिल सके। उन्होंने कहा कि भाजपा में जनसंख्या का दो तिहाई युवा हैं, पैंतीस से कम उम्र वाले पैंसठ फीसदी से ज्यादा हैं। यदि इन्हें सही ढंग से तैयार किया जाय तो हम विकसित बन सकते हैं।

****

उत्तर प्रदेश आरक्षी नागरिक पुलिस के 60 हजार से अधिक पदों पर भर्ती के लिये कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी के बीच आज चौथे चरण की परीक्षा सकुशल सम्पन्न हो गयी। कल पांचवें और आखिरी चरण की परीक्षा होगी। शासन के निर्देश पर सम्बन्धित जिलों के डीएम और एसएसपी निरन्तर भ्रमण कर परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण करते रहे। परीक्षा के लिये सड़सठ जिलों में कुल एक हजार एक सौ चौहत्तर परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं। परीक्षार्थियों की सुविधा के लिये रोडवेज बसों में एडमिट कार्ड दिखा कर निशुल्क यात्रा की सुविधा दी गयी है। साथ ही, रेलवे प्रशासन स्पेशल ट्रेनों का भी संचालन कर रहा है।

****